अस्मिन् प्रश्नपत्रे 51 प्रश्नाः एवं 16 मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्न-पत्र में 51 प्रश्न तथा 16 मुद्रित पृष्ठ हैं।

अनुक्रमाङ्कः
रोल नं०

गूढसंख्या
कोड नं० **69/SS/A**

स्तवकः / सेट **A**

भारतीयदर्शनम्

भारतीय दर्शन

(347)

परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ....

निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम्
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)

1. ....

2. ....

सामान्या निर्देशाः —

1. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।
2. निरीक्ष्यतां यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।
3. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।
4. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।
5. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।
6. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या 69/SS/A, स्तवकः A नूनं लेख्या।
7. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

सामान्य निर्देश :

1. प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

2. प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि प्रश्न-पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के प्रारम्भ में छपी है और प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में चार विकल्पों (क), (ख), (ग), (घ) में से सही उत्तर चुनकर उत्तर-पत्र में लिखना है।

4. सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखना है।

5. उत्तर-पत्र में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी लिखना सर्वथा वर्जित है।

6. अपने उत्तर-पत्र में प्रश्न-पत्र का कोड नं० 69/SS/A, सेट A अवश्य लिखें।

7. सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में ही लिखें।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

भारतीयदर्शनम्
भारतीय दर्शन
(347)

परीक्षासमयावधिः — होरात्रयम्] [पूर्णाङ्काः — 100

परीक्षा का समय : तीन घंटे पूर्णाङ्क : 100

निर्देशाः — (i) अस्मिन् प्रश्नपत्रे [**A**] भागे 20, [**B**] भागे 15, [**C**] भागे 6, [**D**] भागे 6, [**E**] भागे 4 इति आहत्य 51 प्रश्नाः सन्ति।

इस प्रश्न-पत्र में [**A**] भाग में 20, [**B**] भाग में 15, [**C**] भाग में 6, [**D**] भाग में 6, [**E**] भाग में 4, कुल मिलाकर 51 प्रश्न हैं।

(ii) **समे** प्रश्नाः अनिवार्याः।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(iii) प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति।

प्रश्न की दाहिनी ओर की संख्या (अङ्क × प्रश्न = पूर्णाङ्क) अंक को सूचित करती है।

(iv) **A** भागे प्र० सं० 1 तः 20 पर्यन्तं वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पप्रकारस्य प्रश्नाः (MCQs) येषु प्रत्येकम् एक अङ्कः भवति। एतेषु प्रत्येकस्मिन् प्रश्ने दत्तचतुर्णां विकल्पानां मध्ये सर्वाधिकम् उपयुक्तं विकल्पं चित्वा लिखन्तु।

भाग **A** में प्रश्न संख्या 1 से 20 तक वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न (MCQs) हैं, प्रत्येक एक अंक का है। इनमें से प्रत्येक प्रश्न में दिए गए चार विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प चुनें और लिखें।

(v) **B** भागे प्र० सं० 21 तः 35 पर्यन्तं वस्तुनिष्ठप्रश्नाः/मेलनम्, रिक्तस्थानानि, सत्यम्-असत्यम् इत्यादि। प्रत्येकं प्रश्नः अङ्कद्वयात्मकः अस्ति। ते यथानिर्देशं समाधेयाः।

भाग **B** में प्रश्न संख्या 21 से 35 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न/मिलान, रिक्त स्थान, सत्य-असत्य आदि हैं। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। उनके निर्देशानुसार उत्तर दें।

(vi) **C** भागे प्र० सं० 36 तः 41 पर्यन्तम् अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कद्वयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं *30* तः *50* शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

भाग **C** में प्रश्न संख्या 36 से 41 तक प्रत्येक दो-दो अंक के अति लघूत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उनके *30* से *50* शब्दों की सीमा में उत्तर दें।

(vii) **D** भागे प्र० सं० 42 तः 47 पर्यन्तम् अनतिदीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कत्रयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं *50* तः *80* शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

भाग **D** में प्रश्न संख्या 42 से 47 तक प्रत्येक तीन अंक के लघूत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उनके *50* से *80* शब्दों की सीमा में उत्तर दें।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

(viii) **E** भागे प्र० सं० 48 तः 51 पर्यन्तं दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकं पञ्चाङ्कात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं *80* तः *100* शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः ।

भाग **E** में प्रश्न संख्या 48 से 51 तक प्रत्येक पाँच अंक के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उनके *80* से *100* शब्दों की सीमा में उत्तर दें।

(ix) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में ही लिखे जाने चाहिए।

(x) स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या नूनं लेख्या।

अपनी उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का गुप्त क्रमांक अवश्य लिखें।

(xi) उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

उत्तर-पुस्तिका पर स्व-पहचान लिखना या निर्धारित स्थान को छोड़कर कहीं भी क्रमांक लिखना सख्त वर्जित है।

(xii) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय के अंदर लिखने होंगे।

(xiii) निरीक्ष्यतां यत् प्रश्नपत्रस्य पुटसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपुटस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।

जाँचें कि क्या प्रश्न-पत्र की पत्र संख्या और प्रश्नों की संख्या प्रथम पत्र की शुरुआत में दी गई संख्या के समान है या नहीं। प्रश्न क्रम सही है या नहीं।

(xiv) अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपुटे नूनं लेख्यः।

प्रश्न-पत्र के प्रथम पत्र में अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

(1) Answers of all questions are to be given in the Answer-Book given to you.
सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।

(2) 15 minutes time have been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 2:15 p.m. From 2:15 p.m. to 2:30 p.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the Answer-Book during this period.
इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण दोपहर में 2:15 बजे किया जाएगा। 2:15 बजे से 2:30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

[A] प्रश्नसंख्या 1–20 बहुविकल्पप्रश्नाः सन्ति येषां कृते 20 अङ्काः आवण्टिताः भवन्ति— 1×20=20

प्रश्न संख्या 1–20 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिनके लिए 20 अंक निर्धारित हैं :

1. सृष्टिकाले प्रकृतेः गुणानां कीदृशः परिणामः भवति?

(क) अनिर्वाच्यपरिणामः (ख) सदृशपरिणामः

(ग) विसदृशपरिणामः (घ) कोऽपि न

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

सृष्टि के दौरान प्रकृति के गुणों का क्या परिणाम होता है?

(क) अनिर्वाच्य परिणाम (ख) सदृश परिणाम

(ग) विसदृश परिणाम (घ) कोई नहीं

2. असत्कार्यवादः कैः अङ्गीक्रियते?

(क) बौद्धैः (ख) सांख्यैः

(ग) नैयायिकैः (घ) अद्वैतवेदान्तिभिः

असत्कार्यवाद कौन स्वीकार करते हैं?

(क) बौद्ध (ख) सांख्य

(ग) नैयायिक (घ) अद्वैतवेदांती

3. ''प्रधानात् नानाकार्योत्पत्तिः'' इत्यत्र कः दृष्टान्तः सांख्यकारिकायां प्रदत्तः?

(क) मृद्वत् (ख) सूर्यवत्

(ग) सलिलवत् (घ) पृथिवीवत्

''प्रधान से विभिन्न कार्यों की उत्पत्ति होती है''—इस विषय में सांख्यकारिका में क्या उदाहरण दिया गया है?

(क) मिट्टी की तरह (ख) सूरज की तरह

(ग) पानी की तरह (घ) पृथ्वी की तरह

4. एतेषु सत्कार्यवादाभ्युपगमे हेतुः नास्ति

(क) उपादानग्रहणात् (ख) असदकरणात्

(ग) कार्याभावात् (घ) कारणभावात्

इनमें से कौन-सा सत्कार्यवाद स्वीकार करने का कारण नहीं है?

(क) उपादानग्रहणात् (ख) असदकरणात्

(ग) कार्याभावात् (घ) कारणभावात्

5. वेदान्तमते अभावग्रहणे कः सन्निकर्षः?

(क) संयोगः (ख) संयुक्ततादात्म्यः

(ग) तादात्म्यः (घ) कोऽपि न

वेदांत के अनुसार अभाव की समझ में क्या सन्निकर्ष है?

(क) संयोग (ख) संयुक्ततादात्म्य

(ग) तादात्म्य (घ) कोई नहीं

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

6. आगमप्रमाणम् इति कस्य प्रमाणस्य नामान्तरम्?

(क) प्रत्यक्षस्य
(ख) अनुमानस्य
(ग) शब्दस्य
(घ) उपमानस्य

आगमप्रमाण किस प्रमाण का दूसरा नाम है?

(क) प्रत्यक्ष
(ख) अनुमान
(ग) शब्द
(घ) उपमान

7. गोसदृशः गवयः इति कस्य प्रमाणस्य उदाहरणरूपेण प्रयुज्यते?

(क) प्रत्यक्षस्य
(ख) अनुमानस्य
(ग) उपमानस्य
(घ) शब्दस्य

गाय जैसी गवय है—यह किस प्रमाण के उदाहरण के रूप में प्रयोग किया जाता है?

(क) प्रत्यक्ष
(ख) अनुमान
(ग) उपमान
(घ) शब्द

8. वेदान्तमते अनुमानं कतिविधम्?

(क) द्विविधम्
(ख) त्रिविधम्
(ग) पञ्चविधम्
(घ) चतुर्विधम्

वेदान्त के अनुसार अनुमान कितने प्रकार के होते हैं?

(क) दो प्रकार
(ख) तीन प्रकार
(ग) पाँच प्रकार
(घ) चार प्रकार

9. प्रामाण्यं स्वतः अप्रामाण्यं च परतः गृह्यते कैः?

(क) वेदान्तिभिः
(ख) नैयायिकैः
(ग) सांख्यैः
(घ) वैशेषिकैः

कौन प्रामाण्य अपने से और अप्रामाण्य दूसरे से स्वीकार करते हैं?

(क) वेदांती
(ख) नैयायिक
(ग) सांख्य
(घ) वैशेषिक

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

10. अर्थापत्तिः कतिविधा?

(क) द्विविधा (ख) त्रिविधा

(ग) पञ्चविधा (घ) चतुर्विधा

अर्थापत्ति कितने प्रकार की होती है?

(क) दो प्रकार (ख) तीन प्रकार

(ग) पाँच प्रकार (घ) चार प्रकार

11. प्रमा नाम का?

(क) ज्ञानम् (ख) यथार्थज्ञानम्

(ग) प्रमाणम् (घ) अविद्या

प्रमा क्या है?

(क) ज्ञान (ख) यथार्थ ज्ञान

(ग) प्रमाण (घ) अविद्या

12. एतेषु किम् आस्तिकदर्शनम्?

(क) जैनदर्शनम् (ख) बौद्धदर्शनम्

(ग) वैशेषिकदर्शनम् (घ) चार्वाकदर्शनम्

इनमें से आस्तिक दर्शन क्या है?

(क) जैनदर्शन (ख) बौद्धदर्शन

(ग) वैशेषिकदर्शन (घ) चार्वाकदर्शन

13. कति ख्यातयः प्रसिद्धाः?

(क) त्रयः (ख) चत्वारः

(ग) पञ्च (घ) सप्त

कितनी ख्यातियाँ प्रसिद्ध हैं?

(क) तीन (ख) चार

(ग) पाँच (घ) सात

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

14. अख्यातिवादः केषाम्?

(क) प्राभाकरमीमांसकानाम् (ख) बौद्धानाम्

(ग) वेदान्तिनाम् (घ) भाट्टमीमांसकानाम्

अख्यातिवाद कौन स्वीकार करते हैं?

(क) प्राभाकर मीमांसक (ख) बौद्ध

(ग) वेदांती (घ) भाट्ट मीमांसक

15. अद्वैतवेदान्तमते पारमार्थिकी सत्ता कस्य?

(क) जगतः (ख) जीवस्य

(ग) ब्रह्मणः (घ) ईश्वरस्य

अद्वैत वेदांत के अनुसार, पारमार्थिक सत्ता किसकी है?

(क) जगत् (ख) जीव

(ग) ब्रह्म (घ) ईश्वर

16. अद्वैतमते कीदृशी परमेश्वरस्य सृष्टिप्रवृत्तिः?

(क) सप्रयोजना (ख) लीलारूपा

(ग) भोगरूपा (घ) मोक्षरूपा

अद्वैत के अनुसार, सृष्टि के लिए ईश्वर की प्रवृत्ति कैसी है?

(क) सप्रयोजन (ख) लीलारूप

(ग) भोगरूप (घ) मोक्षरूप

17. सत्त्वगुणस्य तारतम्येन अविद्या माया चेति अज्ञानस्य द्विरूपता केन कल्पिता?

(क) सदानन्दयोगीन्द्रेण (ख) विद्यारण्यस्वामिना

(ग) गौडपादाचार्येण (घ) शङ्कराचार्येण

सत्त्व गुण का तारतम्य में अविद्या और माया ऐसे अज्ञान की दो प्रकारता कौन कहते हैं?

(क) सदानन्दयोगीन्द्र (ख) विद्यारण्यस्वामी

(ग) गौडपादाचार्य (घ) शङ्कराचार्य

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

18. रसनेन्द्रियं कस्मात् उत्पद्यते?

(क) आकाशात् (ख) वायोः

(ग) तेजसः (घ) अद्भ्यः

रसनेन्द्रिय किससे उत्पन्न होता है?

(क) आकाश से (ख) वायु से

(ग) तेज से (घ) जल से

19. अनुबन्धेषु अयम् अन्यतमो नास्ति

(क) शमः (ख) अधिकारी

(ग) प्रयोजनम् (घ) विषयः

यह अनुबंधों में से एक नहीं है

(क) शम (ख) अधिकारी

(ग) प्रयोजन (घ) विषय

20. गुरूपदिष्टवेदान्तवाक्येषु विश्वासो हि

(क) उपरतिः (ख) तितिक्षा

(ग) समाधानम् (घ) श्रद्धा

गुरु द्वारा उपदेश किये गये वेदांत वाक्यों में विश्वास को कहते हैं

(क) उपरति (ख) तितिक्षा

(ग) समाधान (घ) श्रद्धा

[B] प्रश्नसंख्या 21–35 वस्तुनिष्ठप्रश्नाः सन्ति। प्रत्येकं प्रश्नं द्वयोः अङ्कयोः भवति, तदर्थं 30 अङ्काः आवण्टिताः भवन्ति— $2 \times 15 = 30$

प्रश्न संख्या 21–35 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है और इसके लिए 30 अंक निर्धारित हैं :

21. अधोलिखितेषु रिक्तस्थानेषु उत्तरं ददातु—

नीचे दिए गए रिक्त स्थानों के उत्तर दें :

व्यापारवद् ______ कारणं ______।

व्यापार विशिष्ट ______ कारण को ______ कहता है।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

22. ______ सति ______-जनकत्वं व्यापारलक्षणम्।

______ सति ______-जनकत्वं यह व्यापार का लक्षण है।

23. न कर्मणा न प्रजया ______ ______ अमृतत्वमानशुः।

न कर्मणा न प्रजया ______ ______ अमृतत्वमानशुः।

24. परीक्ष्य लोकान् ______ ब्राह्मणो निर्विदमायान्नात्यकृतः ______ ।

परीक्ष्य लोकान् ______ ब्राह्मणो निर्विदमायान्नात्यकृतः ______ ।

25. ब्रह्म ______ जगत् ______ जीवो ब्रह्मैव नापरः।

ब्रह्म ______ जगत् ______ जीवो ब्रह्मैव नापरः।

26. अधोलिखितवाक्ययोः सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु—

नीचे दिए गए वाक्यों में से सत्य और असत्य कथन चुनें :

(क) वेदान्तमते श्रोत्रं विषयदेशं गच्छति। (सत्यम्/असत्यम्)

वेदांत के अनुसार श्रवणेन्द्रिय विषय देश में जाता है। (सत्य/असत्य)

(ख) पर्वतो वह्निमान् धूमात् इत्यत्र दृष्टान्तो हि अयोगोलकम्। (सत्यम्/असत्यम्)

पर्वतो वह्निमान् धूमात्—इस अनुमान में दृष्टान्त है लोहे का गोलक। (सत्य/असत्य)

27. अधोलिखितवाक्ययोः सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु—

नीचे दिए गए वाक्यों में से सत्य और असत्य कथन चुनें :

(क) अद्वैतवेदान्तिभिः आरोपितवस्तुनः शून्यत्वम् अङ्गीकुर्वन्ति। (सत्यम्/असत्यम्)

अद्वैतवेदांती आरोपित वस्तु की शून्यता को स्वीकार करते हैं। (सत्य/असत्य)

(ख) अविद्या हि अध्यस्तवस्तुनः उपादानकारणम्। (सत्यम्/असत्यम्)

अध्यस्त वस्तु का उपादान कारण अविद्या है। (सत्य/असत्य)

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

28. अधोलिखितवाक्ययोः सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु—

नीचे दिए गए वाक्यों में से सत्य और असत्य कथन चुनें :

(क) निर्विकल्पसमाधिः सुषुप्तिश्च अभिन्नः। (सत्यम्/असत्यम्)

निर्विकल्प समाधि और सुषुप्ति अभिन्न हैं। (सत्य/असत्य)

(ख) चित्तवृत्तिः अज्ञानं नाशयति। (सत्यम्/असत्यम्)

चित्तवृत्ति अज्ञान को नष्ट कर देती है। (सत्य/असत्य)

29. अधोलिखितवाक्ययोः सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु—

नीचे दिए गए वाक्यों में से सत्य और असत्य कथन चुनें :

(क) उपासनायाः मुख्यं फलं चित्तशुद्धिः। (सत्यम्/असत्यम्)

उपासना का मुख्य फल मन की शुद्धि है। (सत्य/असत्य)

(ख) भोग्यविषयः द्विविधः —दृष्टः आनुश्रविकश्च। (सत्यम्/असत्यम्)

भोग्य विषय दो प्रकार के होते हैं—दृष्ट और आनुश्रविक। (सत्य/असत्य)

30. अधोलिखितवाक्ययोः सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु—

नीचे दिए गए वाक्यों में से सत्य और असत्य कथन चुनें :

(क) चान्द्रायणादीनि हि प्रायश्चित्तानि कर्माणि। (सत्यम्/असत्यम्)

चान्द्रायणादि क्रिया प्रायश्चित क्रिया है। (सत्य/असत्य)

(ख) उपासना साक्षात् निर्विशेषब्रह्मसाक्षात्कारं प्रति निमित्तम्। (सत्यम्/असत्यम्)

उपासना सीधे निर्विशेष ब्रह्म की प्राप्ति का कारण है। (सत्य/असत्य)

31. मेलनं कुरु—

(क) संसर्गानवगाहि ज्ञानम्	*(i)* सविकल्पकम्
	(ii) जीवसाक्षी
(ख) सोऽयं देवदत्तः इति ज्ञानम्	*(iii)* ईश्वरसाक्षी
	(iv) निर्विकल्पकम्

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

मिलान करें :

(क) संसर्गानवगाहि ज्ञान — *(i)* सविकल्पक

(ii) जीवसाक्षी

(ख) वह यही देवदत्त है यह ज्ञान — *(iii)* ईश्वरसाक्षी

(iv) निर्विकल्पक

32. मेलनं कुरु—

(क) सादृश्यज्ञानम् — *(i)* उपमानम्

(ii) अनुमानम्

(ख) पर्वतो वह्निमान् — *(iii)* प्रतिज्ञा

(iv) हेतुः

मिलान करें :

(क) सादृश्य ज्ञान — *(i)* उपमान

(ii) अनुमान

(ख) पर्वतो वह्निमान् — *(iii)* प्रतिज्ञा

(iv) हेतु

33. मेलनं कुरु—

(क) तत्त्वप्रदीपिकाकारः — *(i)* प्रकाशात्मयतिः

(ii) चित्सुखाचार्यः

(ख) भामतीकारः — *(iii)* वाचस्पतिमिश्रः

(iv) हस्तामलकाचार्यः

मिलान करें :

(क) तत्त्वप्रदीपिकाकार — *(i)* प्रकाशात्मयति

(ii) चित्सुखाचार्य

(ख) भामतीकार — *(iii)* वाचस्पतिमिश्र

(iv) हस्तामलकाचार्य

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

34. मेलनं कुरु—

(क) ईश्वरप्रेम	*(i)* भक्तिः
	(ii) ज्ञानम्
(ख) मनःसंयमः	*(iii)* राजयोगः
	(iv) कर्मयोगः

मिलान करें :

(क) ईश्वरप्रेम	*(i)* भक्ति
	(ii) ज्ञान
(ख) मनःसंयम	*(iii)* राजयोग
	(iv) कर्मयोग

35. मेलनं कुरु—

(क) शमः	*(i)* मनसो निग्रहः
	(ii) इन्द्रियाणां निग्रहः
(ख) तितिक्षा	*(iii)* वेदान्तवाक्येषु विश्वासः
	(iv) शीतोष्णादिद्वन्द्वसहिष्णुता

मिलान करें :

(क) शम	*(i)* मन का संयम
	(ii) इन्द्रियों का संयम
(ख) तितिक्षा	*(iii)* वेदांत वाक्यों में विश्वास
	(iv) सर्दी और गर्मी जैसे द्वन्द्वों को सहन करना

[C] षट्-प्रश्नानां यथानिर्देशं लघूनि उत्तराणि लिखत— 2×6=12

निर्देशानुसार छह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें :

36. ''असतः सत् जायते'' इति केषां मतम्? ''सतः असत् जायते'' इति केषां मतम्?

अथवा

तन्मात्राणि कानि?

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

''असत् से सत् उत्पन्न होता है''—यह कौन मानते हैं? ''सत् से असत् उत्पन्न होता है''—यह कौन मानते हैं?

अथवा

तन्मात्राएँ क्या हैं?

37. वेदान्ते कानि प्रमाणानि स्वीक्रियन्ते?

वेदांत में कौन-से प्रमाण मान्य हैं?

38. अध्यस्तवस्तुनः उपादानकारणं किं भवति? सर्वमपि कार्यं कुत्र अध्यस्तम्?

अथवा

जगतः परिणाम्युपादानकारणं किम्? जगतः विवर्तोपादानकारणं किम्?

अध्यस्त वस्तु का उपादान कारण क्या होता है? सारे कार्य कहाँ अध्यस्त हैं?

अथवा

जगत् का परिणामी उपादान कारण क्या है? जगत् का विवर्त उपादान कारण क्या है?

39. कः सद्धेतुः?

सद्धेतु क्या है?

40. समाधेः अन्तरायाः के? प्रत्याहारः नाम किम्?

अथवा

अद्वैतवेदान्तमते सत्ता कतिविधा? का च ताः?

समाधि में बाधाएँ कौन हैं? प्रत्याहार क्या है?

अथवा

अद्वैत वेदांत के अनुसार सत्ताएँ कितने प्रकार की होती हैं? और वे क्या हैं?

41. का आकाङ्क्षा? का च योग्यता?

आकांक्षा क्या है? योग्यता क्या है?

[D] षट्-प्रश्नान् अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त— 3×6=18

छह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें :

42. टीकां लिखत—अहङ्कारतत्त्वम्।

अथवा

ज्ञानेन्द्रियाणां विषये लघुटिप्पणीं लिखत।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

टिप्पणी लिखें—अहङ्कार तत्त्व।

अथवा

ज्ञानेन्द्रियों के बारे में एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

43. सांख्यमते सृष्टेः किं तावत् प्रयोजनम्?

सांख्य के अनुसार सृष्टि का उद्देश्य क्या है?

44. केवललक्षणा लक्षितलक्षणा च समासेन सोदाहरणं स्पष्टीकुरुत।

अथवा

लक्षणाबीजं तात्पर्यानुपपत्तिः इति वाक्यस्याशयं विशदयत।

संक्षेप में केवललक्षणा और लक्षितलक्षणा उदाहरण के साथ स्पष्ट करें।

अथवा

लक्षणा का बीज तात्पर्य की अनुपपत्ति—इस वाक्यांश का अर्थ स्पष्ट करें।

45. शिवज्ञानेन जीवसेवा इति विषयं विवेकानन्ददर्शनम् अनुसृत्य लिख्यताम्।

विवेकानन्द दर्शन का अनुसरण करते हुए शिव ज्ञान द्वारा जीव सेवा का विषय लिखें।

46. अद्वैतवेदान्तमते ज्ञानेन्द्रियाणि कर्मेन्द्रियाणि च कस्मात् उत्पद्यन्ते?

अथवा

अद्वैतवेदान्तमते सृष्टिप्रयोजनं किमिति समासेन लिखत।

अद्वैत वेदांत के अनुसार, ज्ञानेन्द्रियाँ और कर्मेन्द्रियाँ किससे उत्पन्न होती हैं?

अथवा

अद्वैत वेदांत के अनुसार सृष्टि का उद्देश्य क्या है? संक्षेप में लिखिए।

47. नित्यानित्यवस्तुविवेकं विशदीकुरुत।

नित्य और अनित्य वस्तुओं का विभेद स्पष्ट करें।

[E] चत्वारः दीर्घोत्तरैः समाधेयाः — 5×4=20

चार प्रश्नों के दीर्घ उत्तर दें :

48. व्याप्तेः लक्षणम् आलोचयत।

अथवा

वेदान्तसम्मतः स्वार्थानुमानक्रमः वर्णनीयः।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

व्याप्ति के लक्षण पर चर्चा करें।

अथवा

वेदांत द्वारा स्वीकृत स्वार्थानुमान के क्रम का वर्णन करना है।

49. विवेकानन्दस्य समन्वयभावं संक्षेपेण वर्णयत।

विवेकानन्द के समन्वय की भावना का संक्षेप में वर्णन करें।

50. वेदान्तमते सृष्टिक्रमं संक्षेपेण प्रतिपाद्यताम्।

अथवा

परिणामवादं विवर्तवादं च समासेन वर्णयत।

वेदांत के अनुसार सृष्टि-क्रम का संक्षेप में वर्णन करें।

अथवा

परिणामवाद और विवर्तवाद को संक्षेप में प्रस्तुत करें।

51. विदेहमुक्तिस्वरूपं समासेन सशास्त्रप्रमाणं वर्णयत।

विदेहमुक्ति के स्वरूप का शास्त्रोक्त प्रमाण सहित संक्षेप में वर्णन करें।

★ ★ ★

Unnati Educations
9899436384, 9654279279